Need to confer Bharat Ratna to Shaheed Sardar Bhagat Singh

श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग (लुधियाना) : अध्यक्ष महोदय,

?शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,

वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा? ।

महोदय, मैं आज उस व्यक्ति की बात करना चाहता हूं, जिसका नाम सुनते ही हर व्यक्ति में जोश आ जाता है । आज से पांच साल पहले मुझे त्रिपुरा जाने का मौका मिला था । जब मैं एयरपोर्ट से उतर रहा था, तब मैंने वहां एक स्टेडियम देखा और उस स्टेडियम का नाम भगत सिंह स्टेडियम, त्रिपुरा था । भगत सिंह पंजाब में पैदा हुए थे, लेकिन त्रिपुरा की धरती पर भगत सिंह जी का नाम दिखा, तब मुझे गौरव और गर्व महसूस हुआ ।

मैं आज उस व्यक्ति की बात करना चाहता हूं, जिन्होंने देश की आजादी और देश की अखंडता के लिए अपना बलिदान दिया । मैं वह बात दोहरना चाहता हूं, यह बात 23 मार्च, 1931 की शाम की है, जब भगत सिंह लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे, तब एक अफसर ने दरवाजा खोला और उनसे कहा कि फरमान आ गया है कि आपको फांसी दी जानी है । उन्होंने अपनी आंख उठाए बिना किताब पढ़ते हुए कहा कि अभी एक क्रांतिकारी का दूसरे क्रांतिकारी से मिलन हो रहा है, दो मिनट रुक जाइए । मौत की परवाह ने करते हुए उन्होंने कहा कि ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपका विषय क्या है?

श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग : महोदय, मुझे बोलते हुए सिर्फ आधा मिनट हुआ है, आपने मेरा फ्लो तोड़ दिया है ।

माननीय अध्यक्ष : आप पंजाब में भी भगत सिंह स्टेडियम पढ़ लेते ।

श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग : माननीय स्पीकर साहब, मेरी आपसे गुजारिश है कि जब भगत सिंह आजादी के इस रास्ते पर चल रहे थे, आज से ठीक 95 साल पहले सामने वाली बिल्डिंग, जिसे केन्द्रीय विधान सभा कहा जाता था, वहां पर गूंगी-बहरी अंग्रेज सरकार को धमाका करके देशवासियों की आवाज सुनाने का काम किया । भगत सिंह की मां की इच्छा क्या थी? उन्होंने भगत सिंह को कहा था कि मैं आपकी शादी होते देखना चाहती हूं, आपके बच्चे देखना चाहती हूं और आप मेरी अर्थी को कंधा देंगे । मैं यह महसूस करती हूं । उन्होंने अपनी मां को कहा कि मेरी शादी फांसी के फंदे से हो चुकी है ।

महोदय, 8 अप्रैल का वह वाक्या है । आज मैं उस व्यक्ति के लिए 95 साल बाद यह मांग करना चाहता हूं कि उनको शहीद का दर्जा दिया जाए और उनको भारत रत्न अवॉर्ड से नवाजा जाए । आपने हजारों लोगों को भारत रत्न दिया, घर बैठे लोगों को भारत रत्न दिया, लेकिन आज तक भगत सिंह को भारत रत्न देने का काम नहीं किया । मेरी मांग है कि भगत सिंह को शहीद का दर्जा और भारत रत्न देने का काम केन्द्र सरकार करे ।

माननीय अध्यक्ष : सब मांग कर रहे हैं । मांग करने वालों को भी विचार करना चाहिए और इधर भी विचार करना चाहिए ।